नक़्शे पर मैं कहाँ हूँ?

जोआन स्वीनी

नक़्शे पर मैं कहाँ हूँ?

जोआन स्वीनी
चित्र : एनेट केबल

यह मैं हूँ.

यह मैं हूँ, अपने कमरे में.

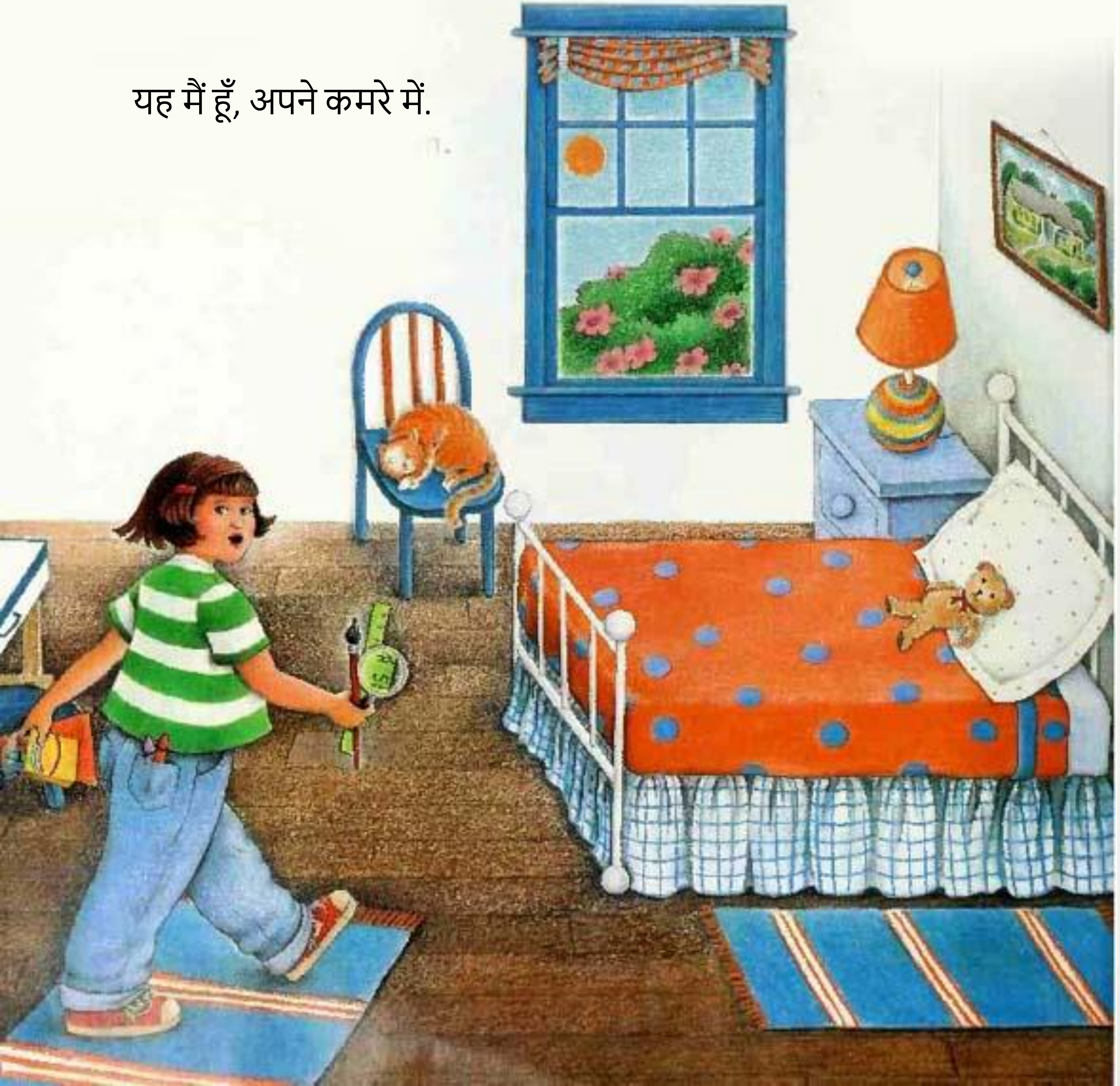

यह मेरे कमरे का नक्शा है.

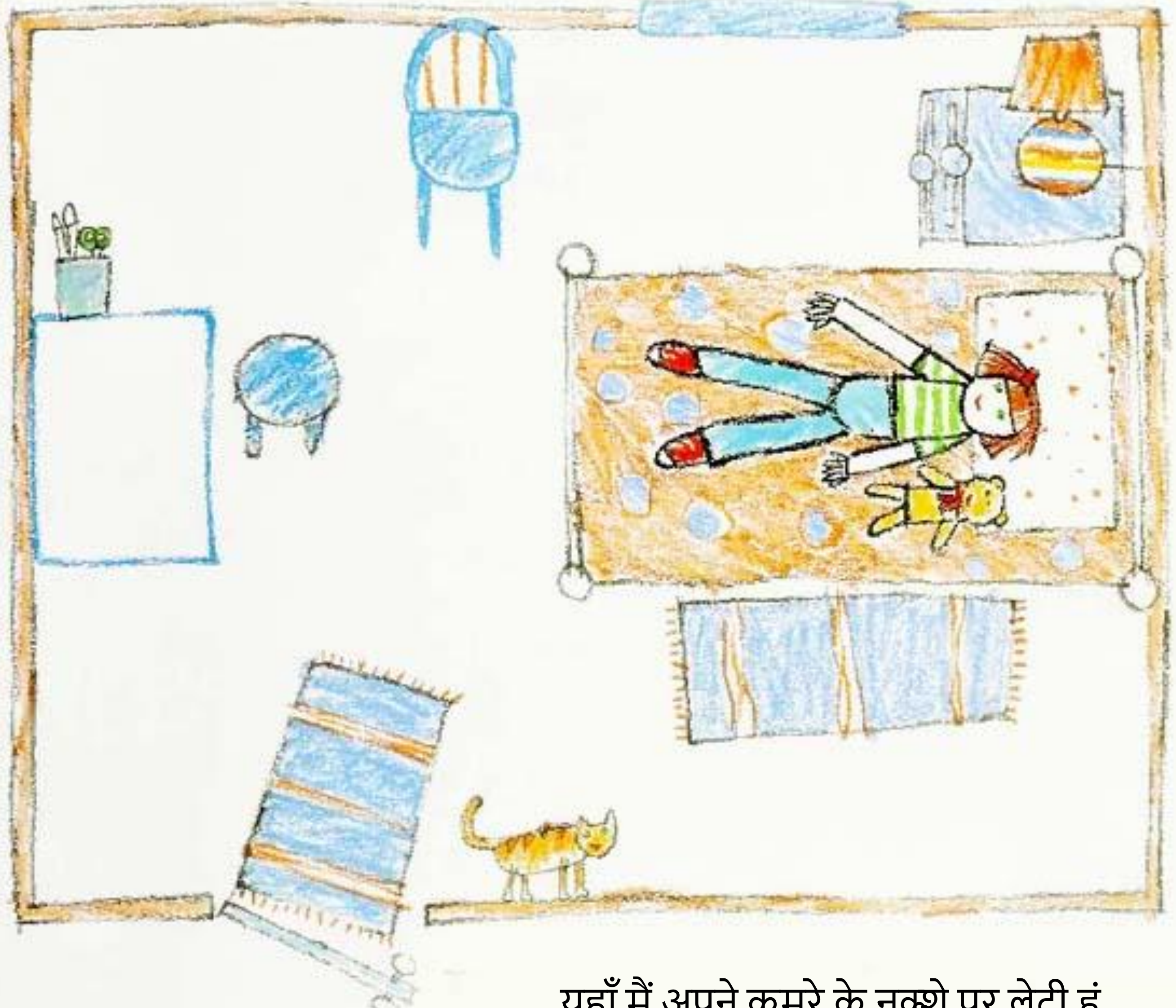

यहाँ मैं अपने कमरे के नक्शे पर लेटी हूं.

यह मेरा घर है :

यह मेरी गली है.

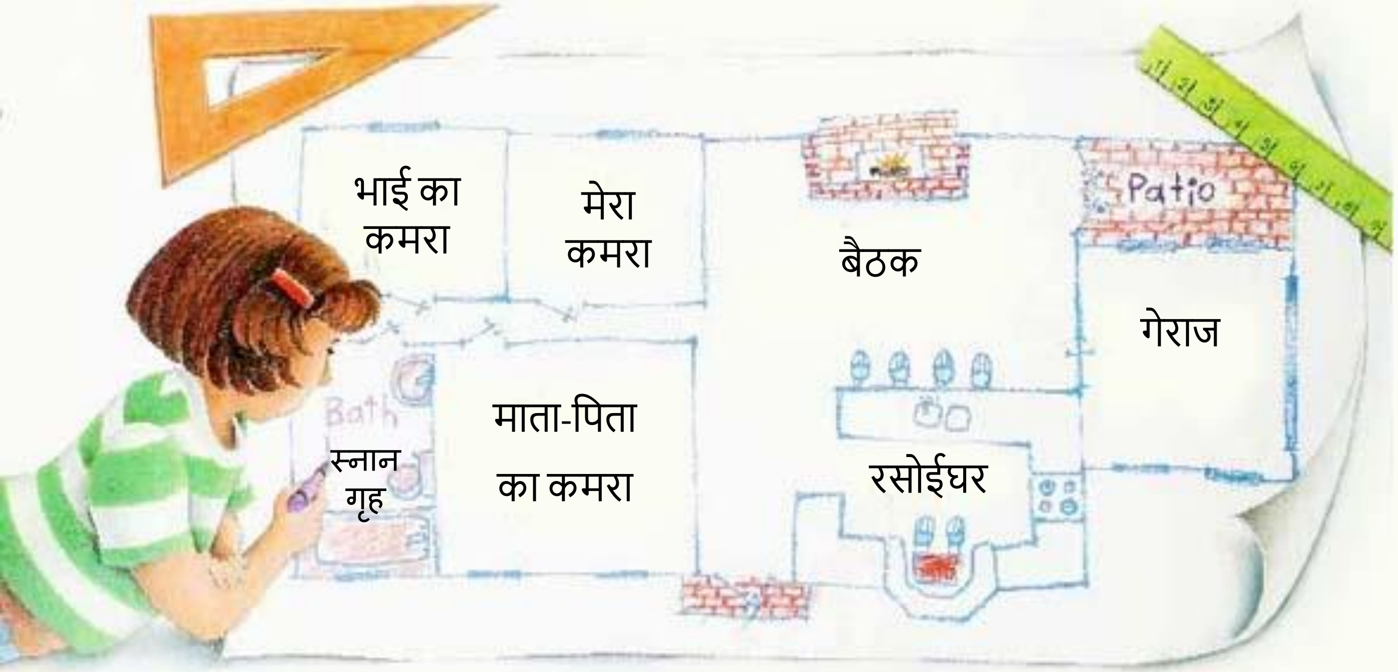

यह मेरे घर का नक्शा है.
घर के नक्शे पर, यह मेरा कमरा है.

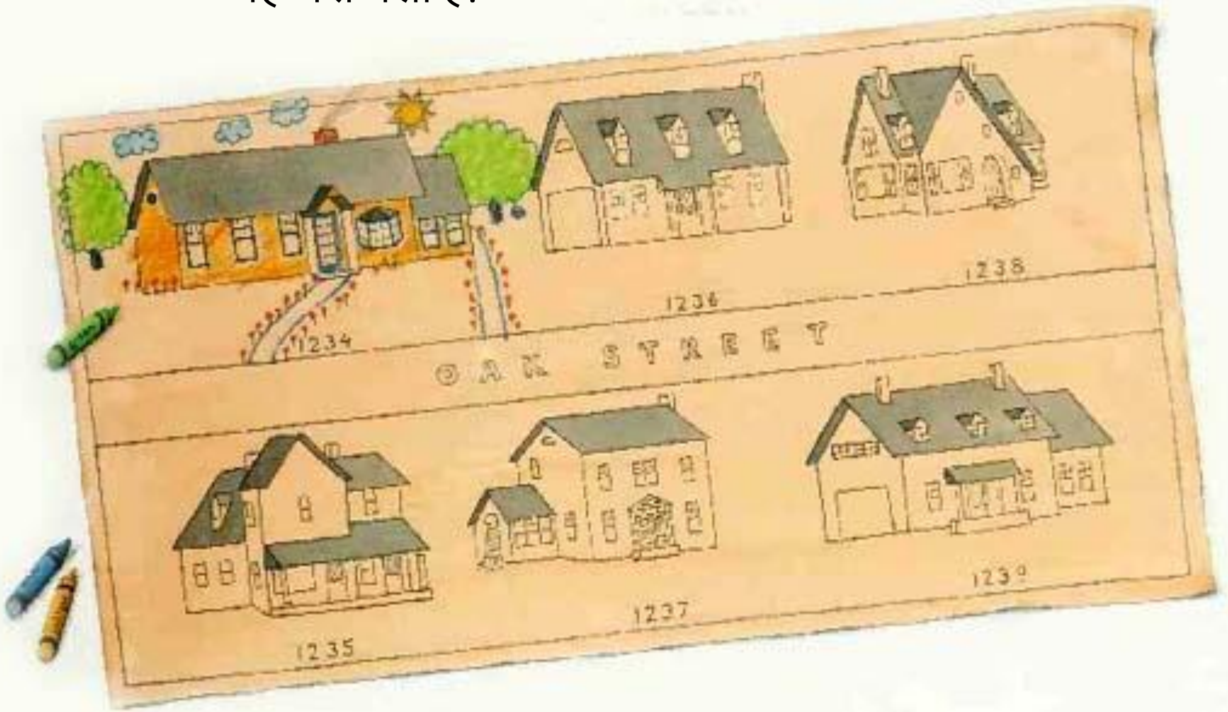

यह मेरी गली का नक्शा है.
गली के नक्शे पर, यह मेरा घर है.

यह मेरा शहर है.

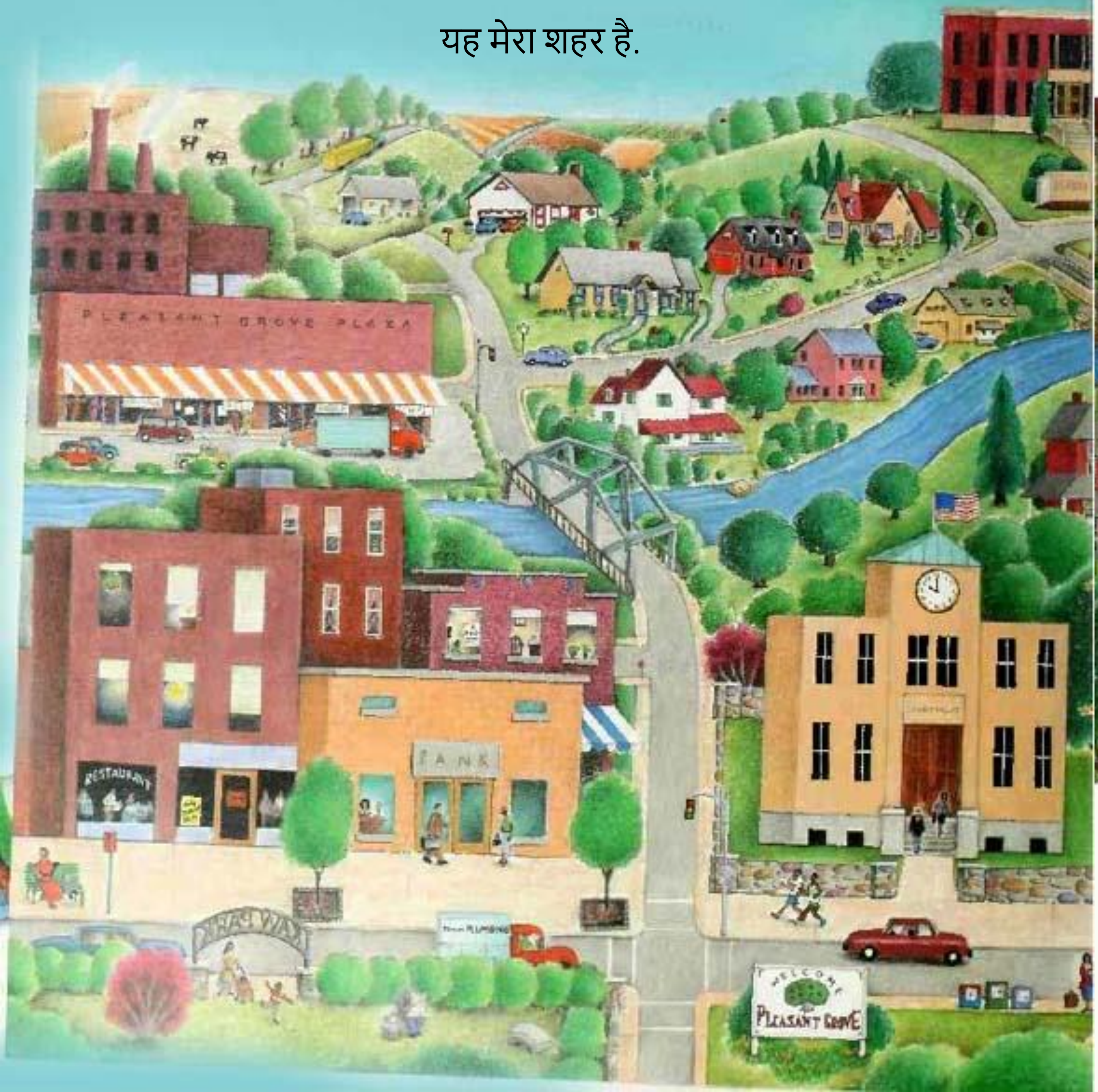

यह मेरे शहर का नक्शा है.

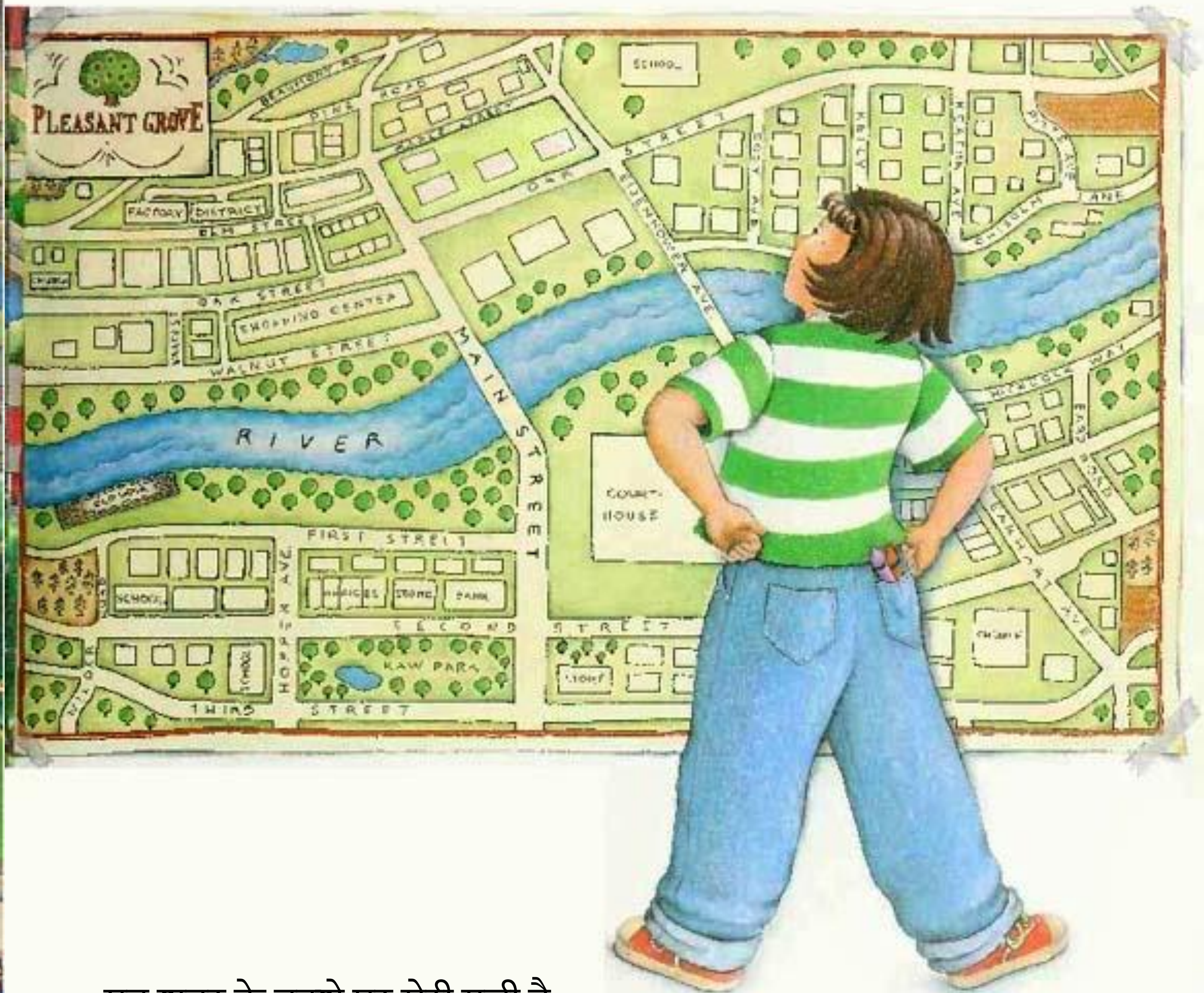

यह शहर के नक्शे पर मेरी गली है.

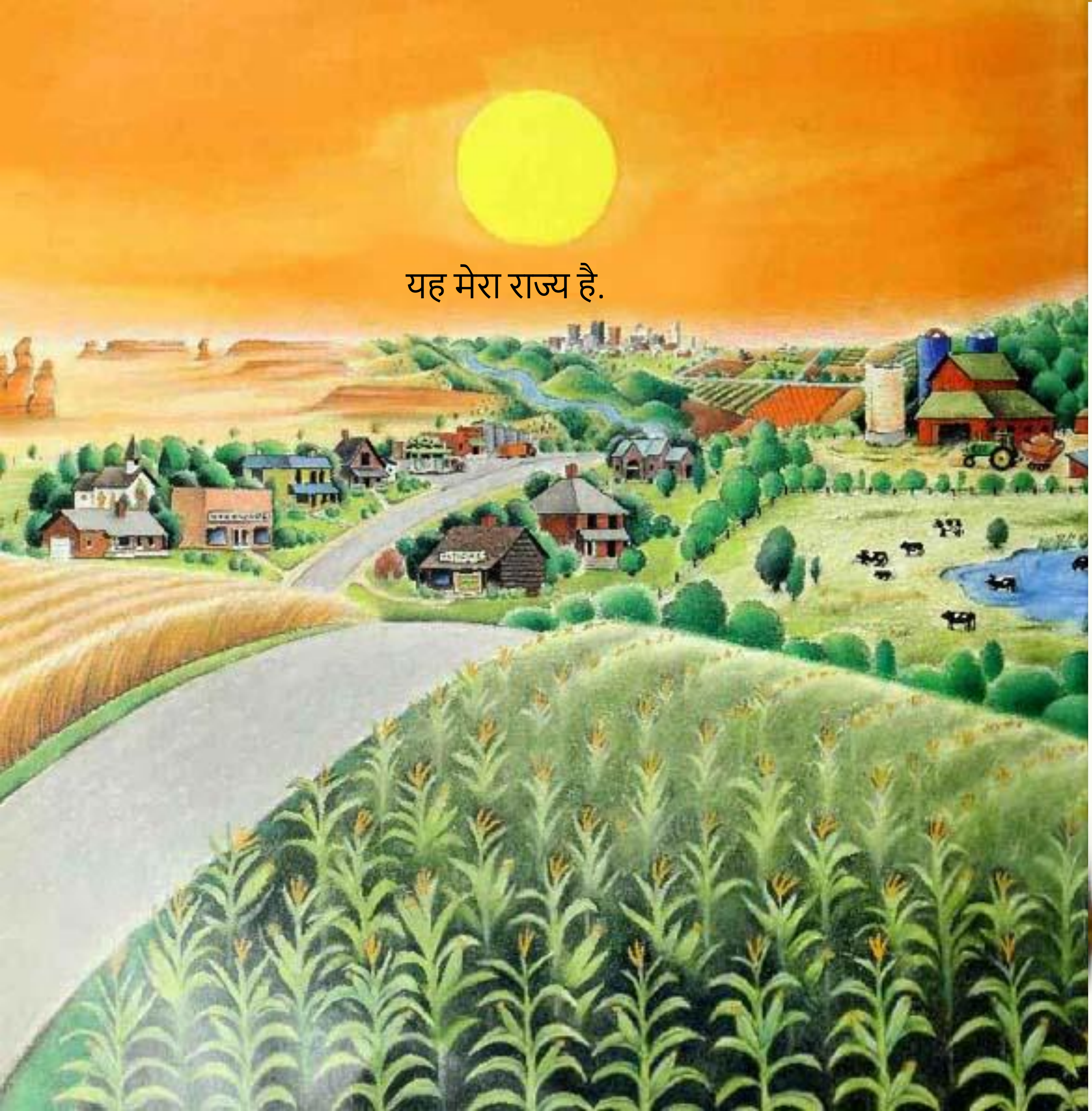

यह मेरा राज्य है.

यह मेरे राज्य का नक्शा है.

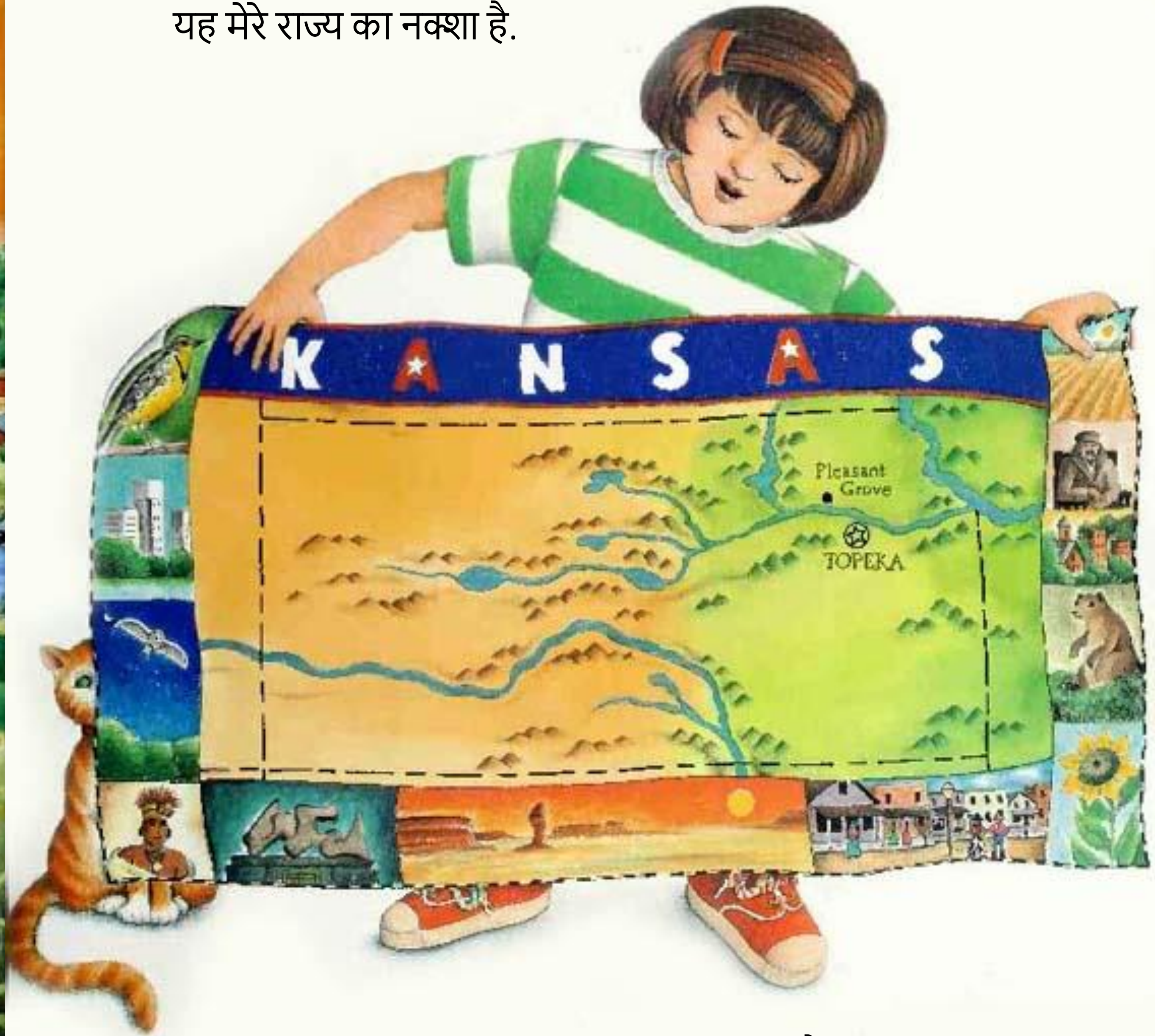

राज्य के नक्शे पर, यह मेरा शहर है.

यह मेरा देश है - अमरीका.

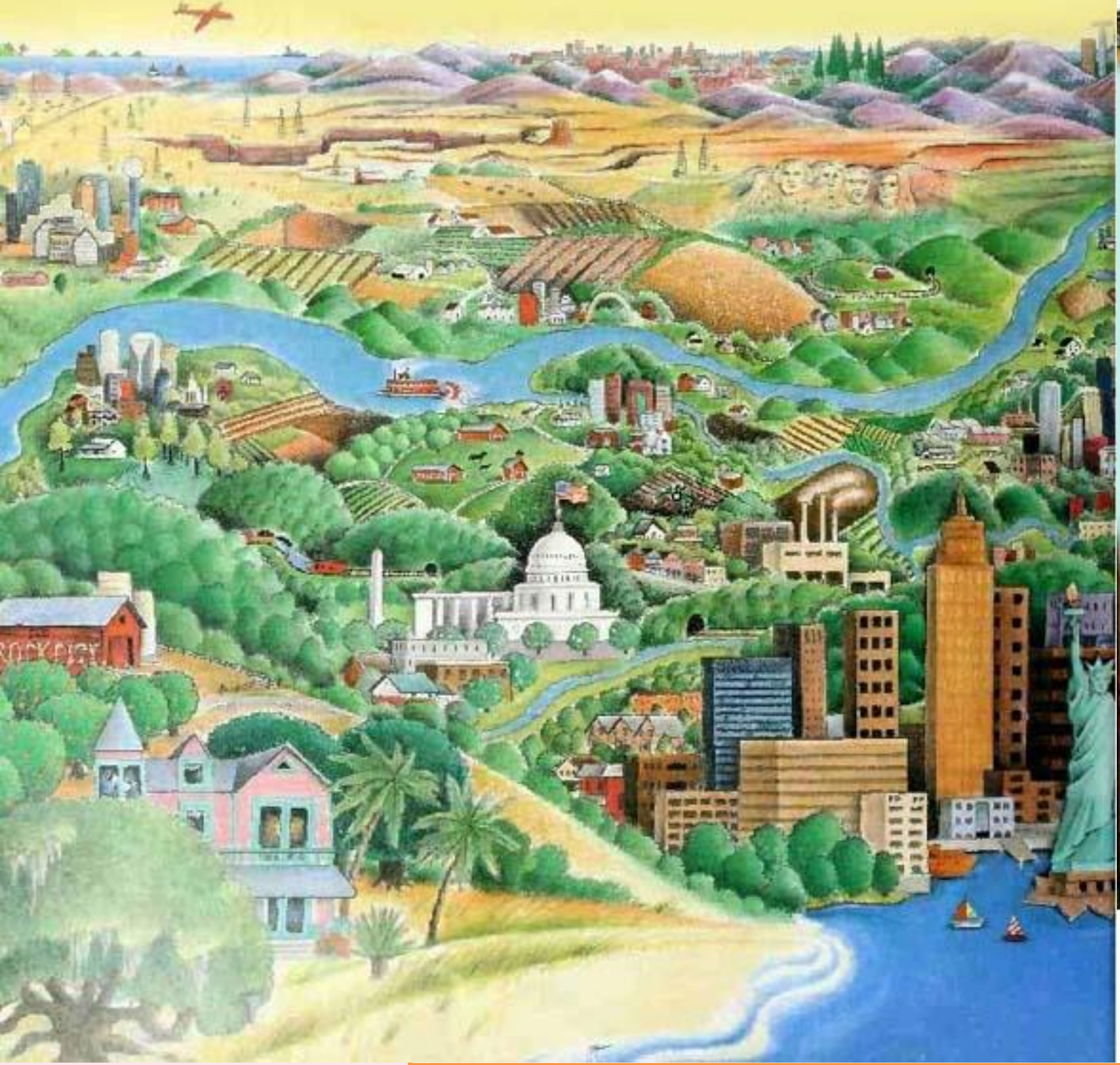

यह मेरे देश का नक्शा है.

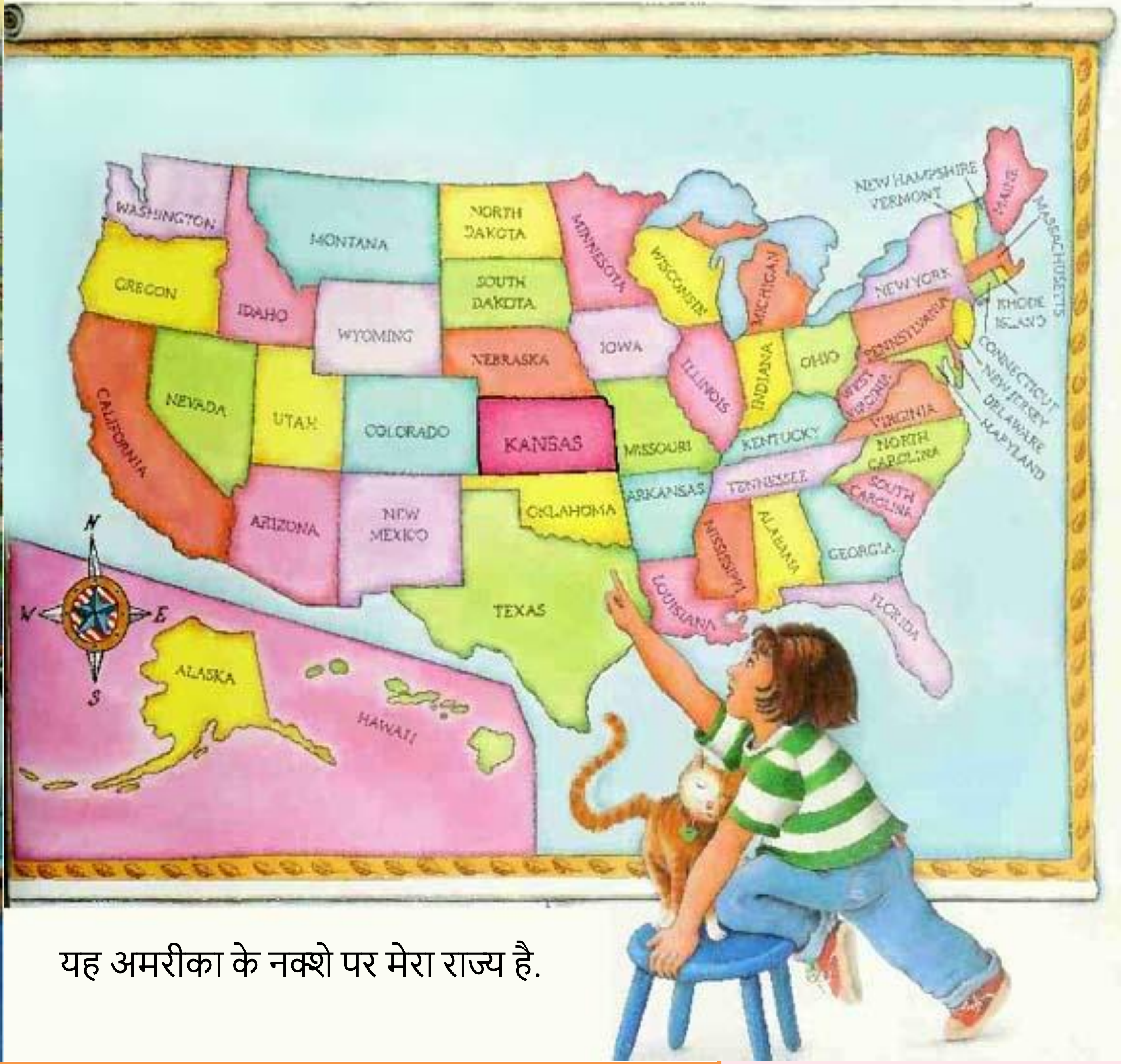

यह अमरीका के नक्शे पर मेरा राज्य है.

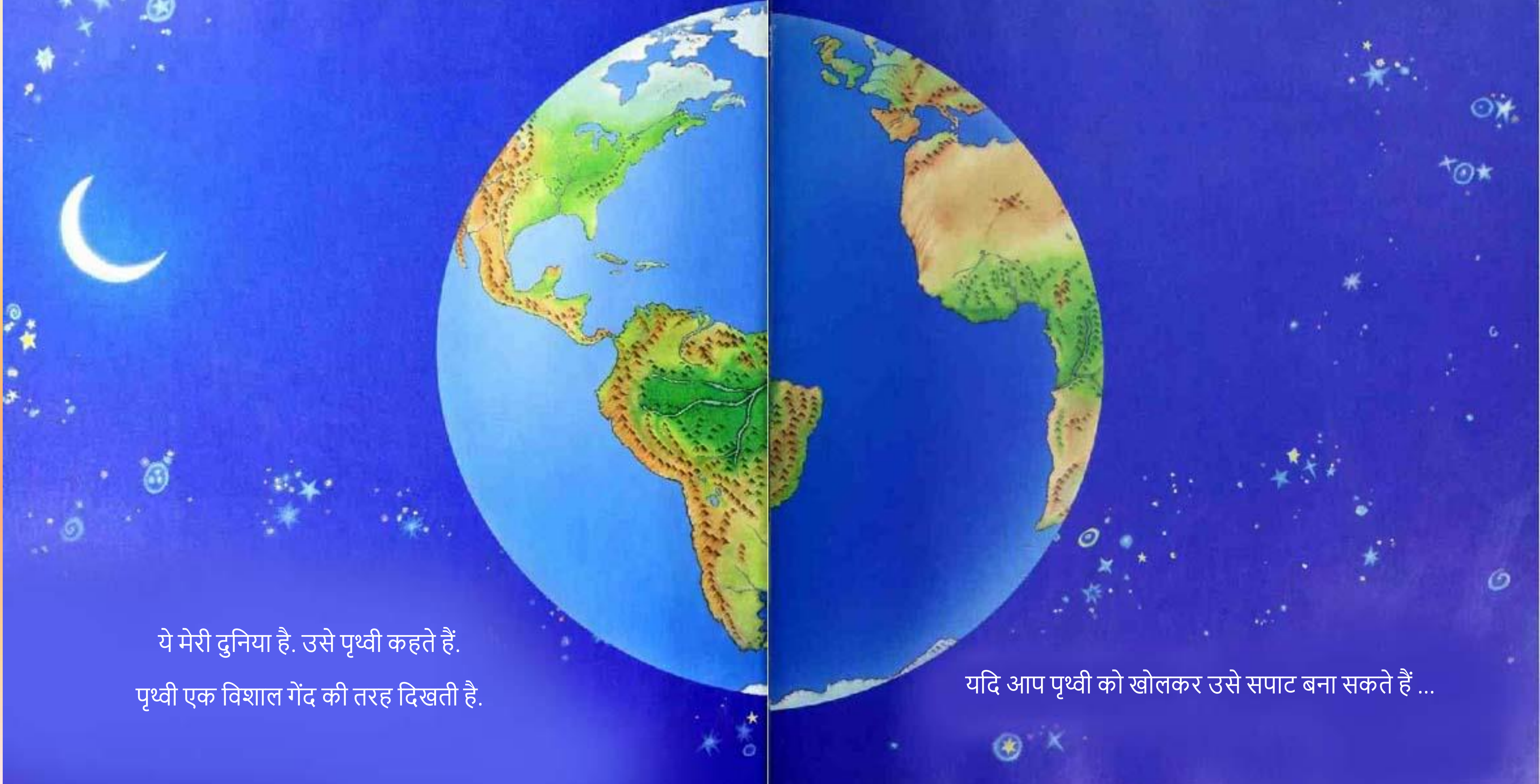

ये मेरी दुनिया है. उसे पृथ्वी कहते हैं.

पृथ्वी एक विशाल गेंद की तरह दिखती है.

यदि आप पृथ्वी को खोलकर उसे सपाट बना सकते हैं ...

.. .. तो पृथ्वी का नक्शे कुछ-कुछ ऐसा दिखाई देगा.

विश्व के मानचित्र पर यह मेरा देश है.

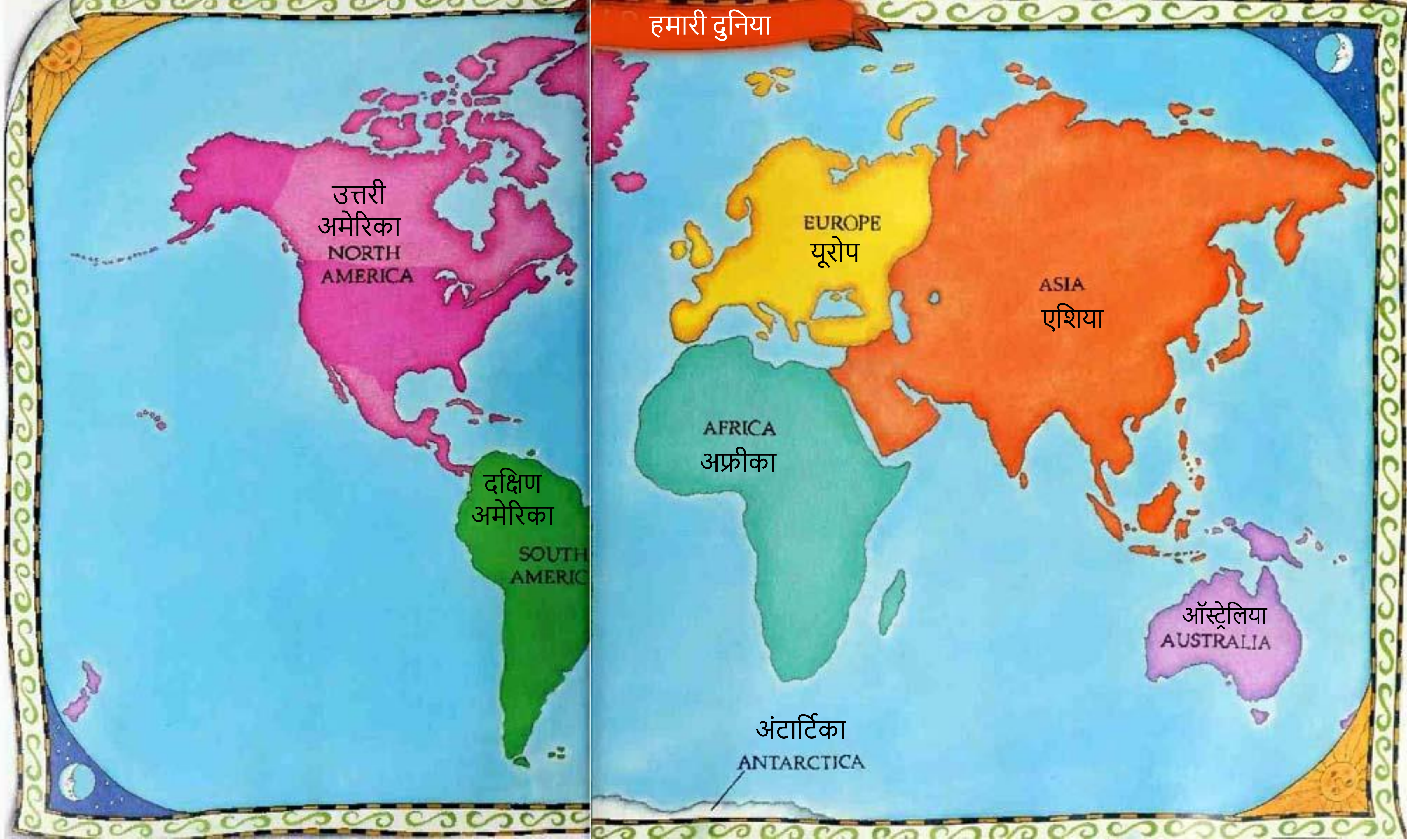

तो मैं इस तरह मैं मानचित्र पर अपना विशेष स्थान कैसे ढूंढती हूं. सबसे पहले, मैं दुनिया के नक्शे को देखती हूं और फिर उसमें अपना देश ढूंढती हूं.

फिर मैं अपने देश का नक्शा देखती हूं और उसमें अपना राज्य ढूंढती हूं.

फिर मैंने अपने राज्य के नक्शे में, अपने शहर का पता लगाया.

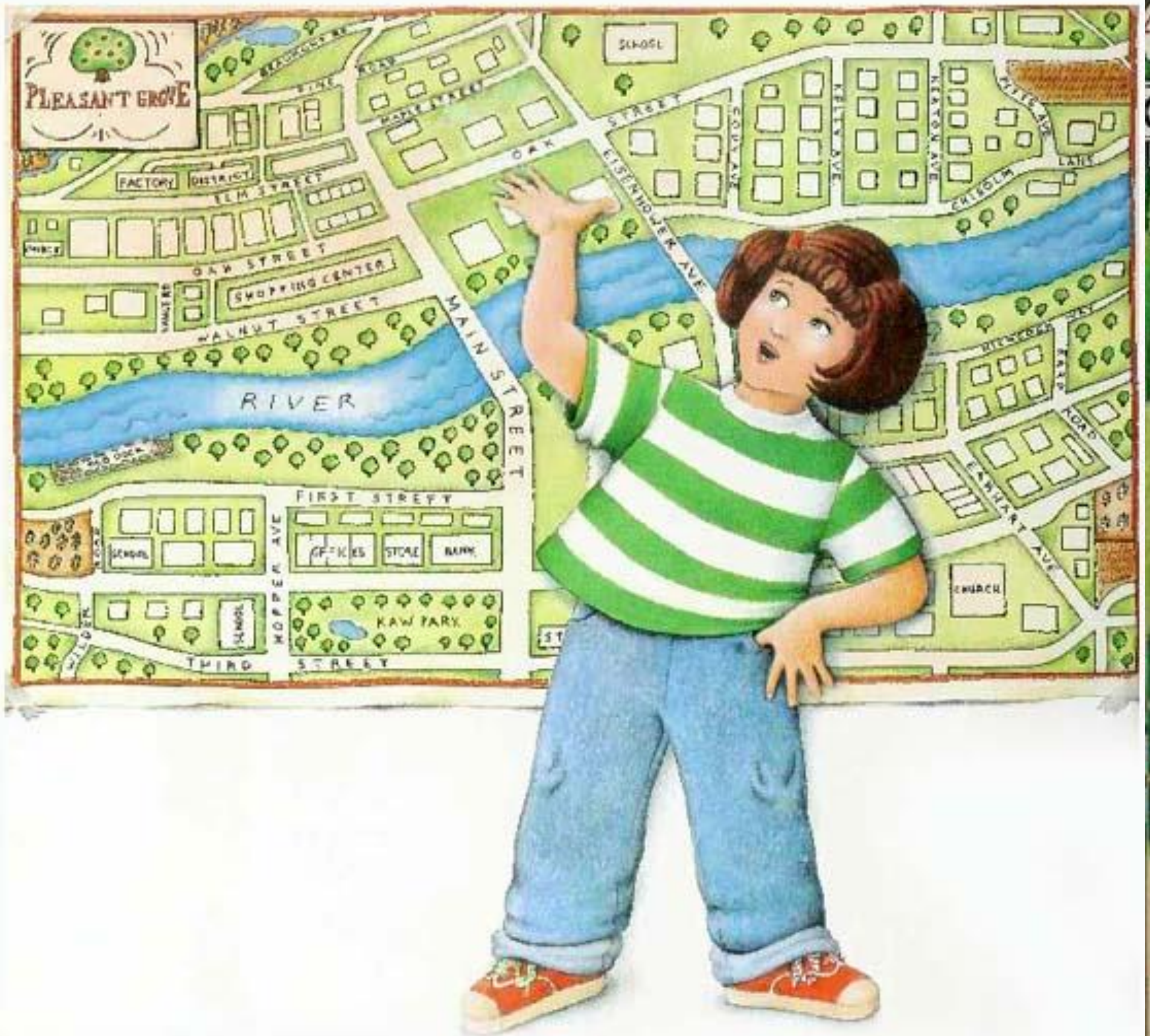

फिर मैं अपने शहर का नक्शा देखती हूं
और उसमें अपनी गली को ढूंढती हूं.

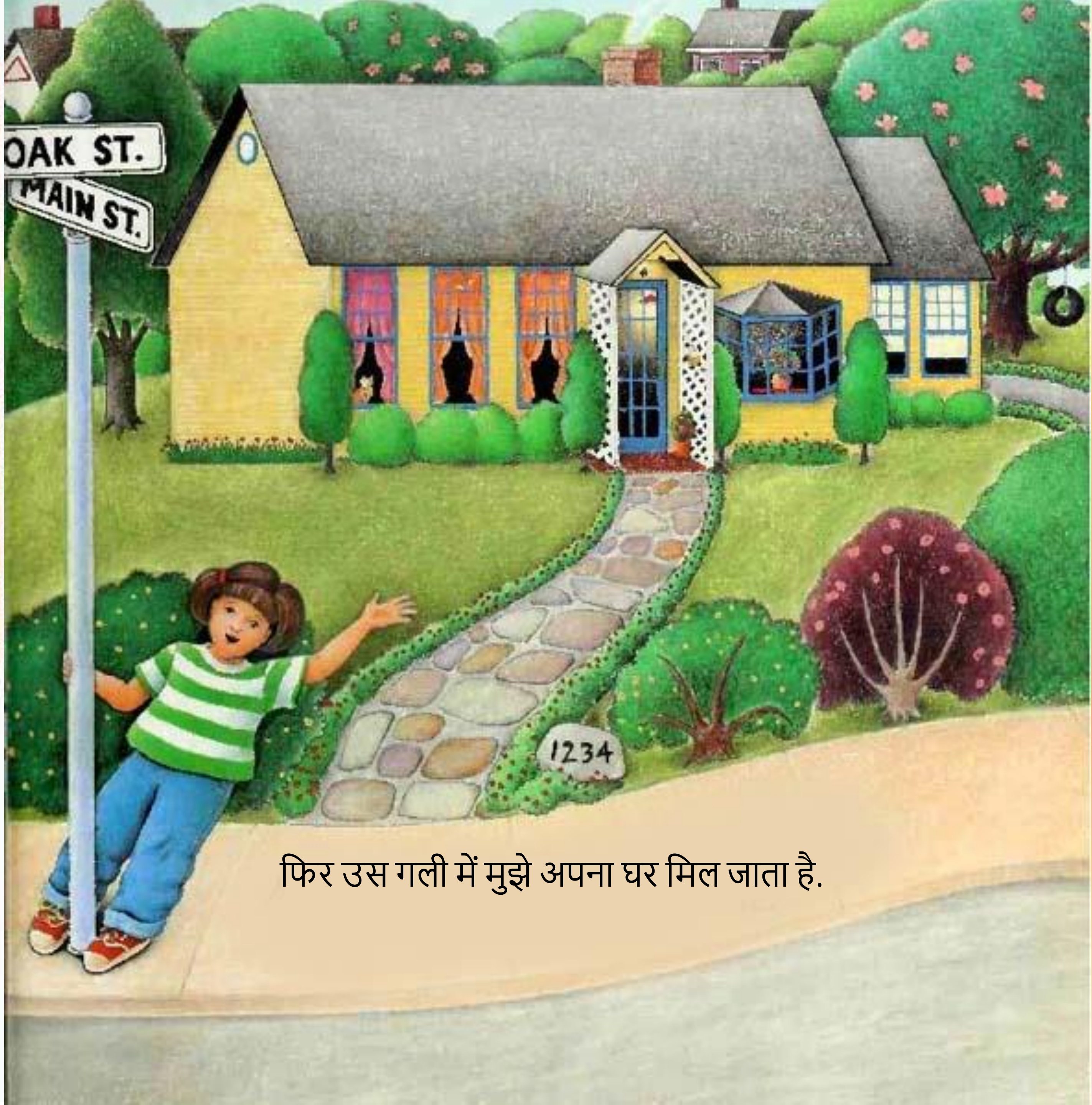

फिर उस गली में मुझे अपना घर मिल जाता है.

अपने घर में मुझे अपना
कमरा मिल जाता है.

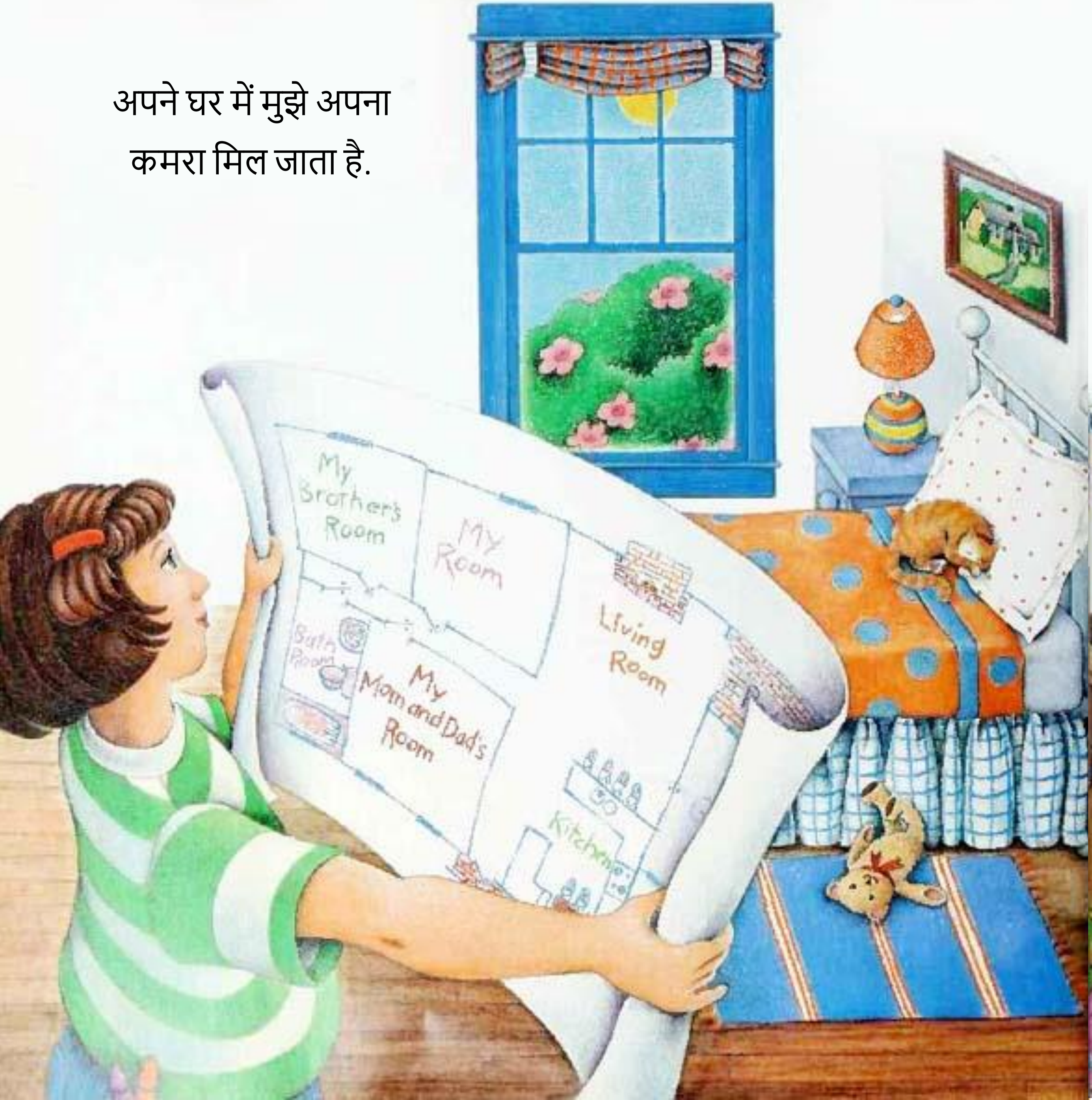

फिर मैं अपने कमरे में खुद को ढूंढती हूं!

आप जरा सोचें ...

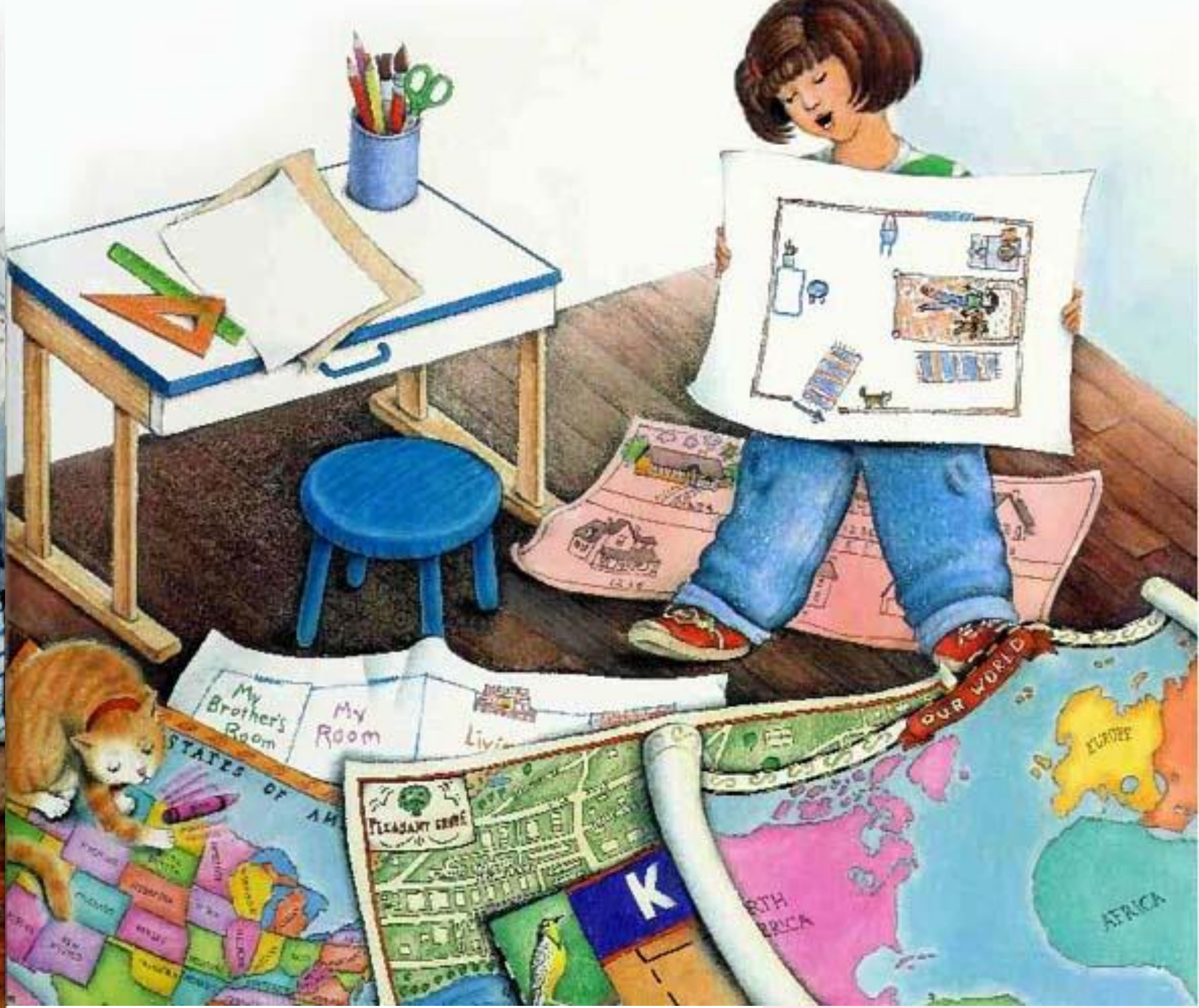

... कमरों में, घरों में, सड़कों पर, शहरों में,
देशों में हर किसी का मानचित्र पर अपना एक
विशेष स्थान होता है.

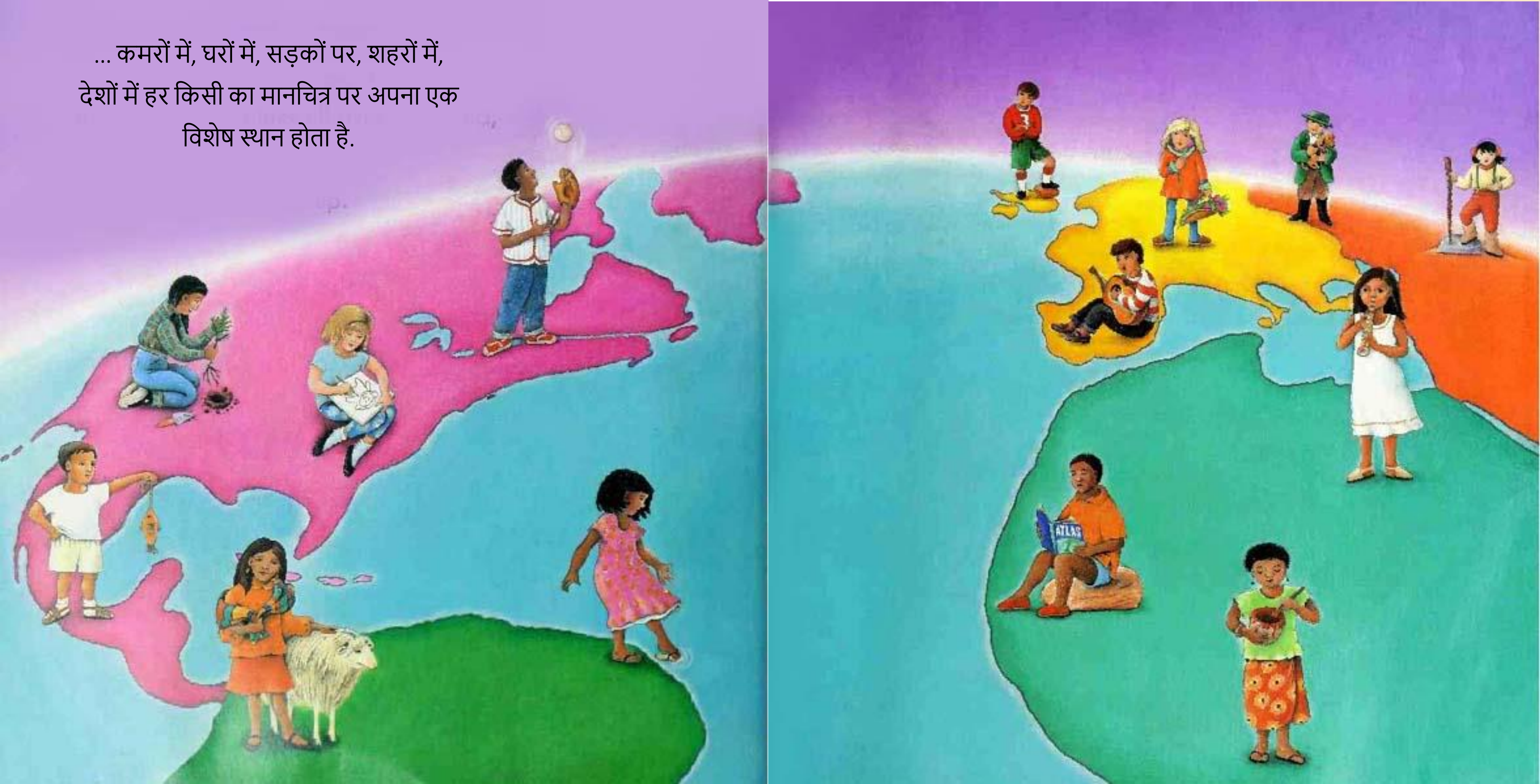

मेरी तरह.

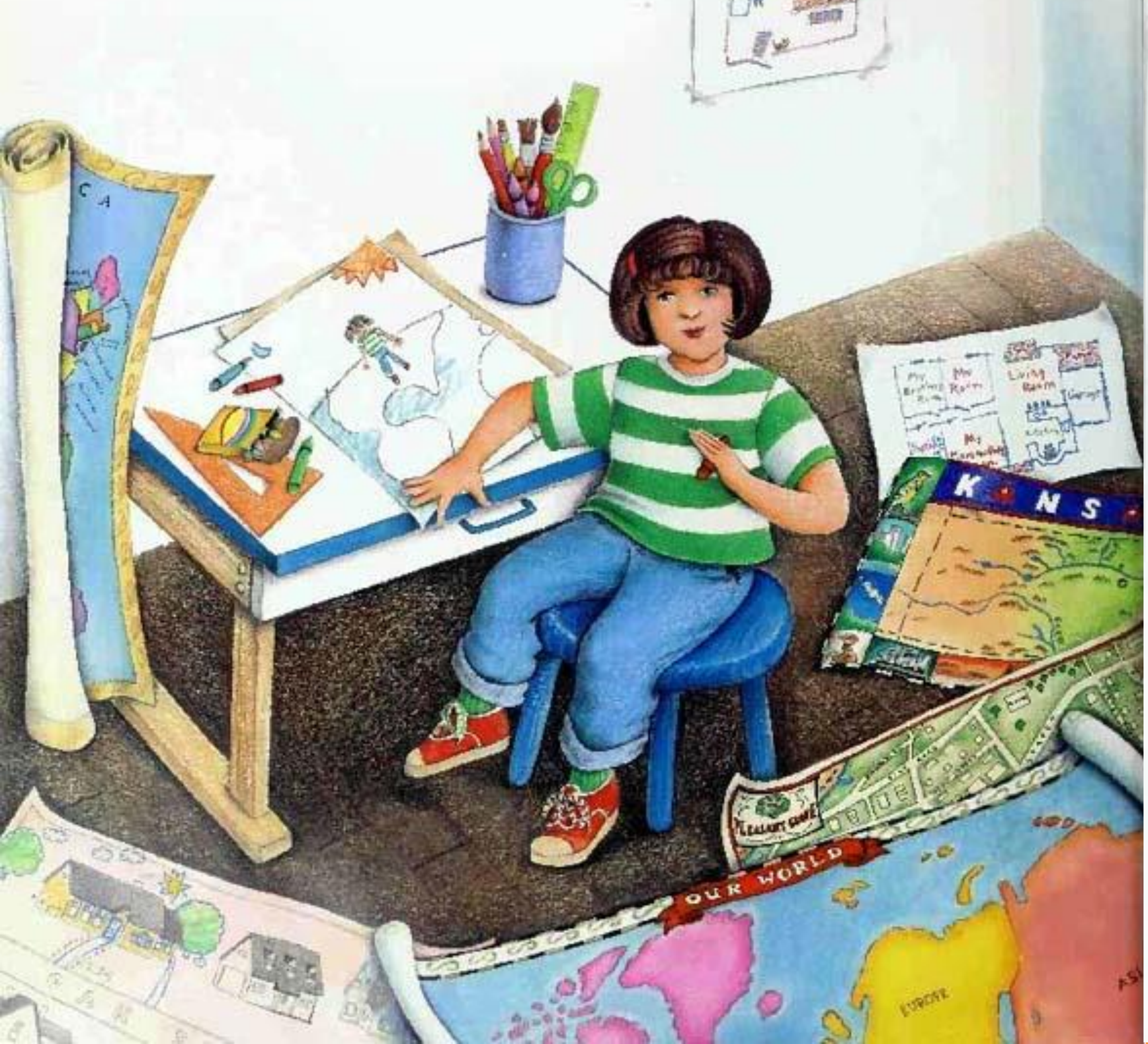

बिल्कुल जैसे मैं नक्शे पर होती.

समाप्त